सेखावाटी

म पढबो अर लिखबो:

सरू म पढबा की दूजी पोथी

nirmaan
empowering communities

सेखावाटी म पढबो अर लिखबो: सरू म पढबा की दूजी पोथी
(Reading and Writing in Shekhawati: Primer Book-2)

छपने का वर्ष: 2019

छपी पुस्तकों की संख्या: 200

© निर्माण सोसायटी

द्वारा तैयार

कमलेश रोयल, विक्रम सिंह, रतन लाल योगी, सुरेश कुमार,
मनीष कुमार, अमरचन्द रोयल

द्वारा मदत

मैरी शैला डिसौज़ा, मुकेश कुमार योगी, पुरणमल बैरवा

चित्रकार

मुकेश कुमार बैरवा, महेन्द्र बारुपाल

टाइपसेटिंग

रतन लाल योगी

प्रकाशक

निर्माण सोसायटी
वार्ड नं.-6, खत्री कॉलोनी,
आथूना मोहल्ला, नवलगढ़, झुन्झुनू, राजस्थान 333042
Ph. 01594-223776
Email-rajasthanlanguages@nirmaan.org.in
Web.-www.nirmaan.org.in

सब अधिकार सुरक्षित हैं

प्रकाशक की अग्रिम लिखित अनुमति के बिना, इस प्रकाशन का कोई भी भाग आण्विक, यांत्रिकी, रिकॉर्डिंग व अन्य किसी भी रूप में या अन्य माध्यम से पुन: उत्पादित नहीं किया जा सकता है और न ही पुन:प्राप्ति पद्धति में इसका भंडारण किया जा सकता है या प्रसारित किया जा सकता है।

ओळखाण

“सेखावाटी म पढबो अर लिखबो: सरू म पढबा की दूजी पोथी” नै जणा सरू करस्यां, जद सरू म पढबा की पेली पोथी का आंका नै चोखी तरियां सीख लिया है। ई पोथी म पेली पोथी का बचेड़ा वरण है। ईको मतबल की 12 वरण अर एकसा वरणा को मेळ है। सागै-सागै बामै दूसरां वरण बी मिलेड़ा है। पढबाळा आपगै धारा सूं जुड़ेड़ा चितरा नै काम म लेता रहवै अर सोरी तरियां सूं पढबो अर लिखबो सरू करसी। ई पोथी म 20 पाठ है जखा दोरायेड़ा पाठां नै मिला’र है।

ई पोथी कै मांय आंका सूं सबद अर लेण बणाई है। जखा आंक पेली पोथी म पढ्या हा। जिसूं सीखबाळा नै चोखी तरियां सूं सीखबा क्ले अर आगै बढबा म सारो मिलसी।

पाठ–1

ख	क्क	क्य

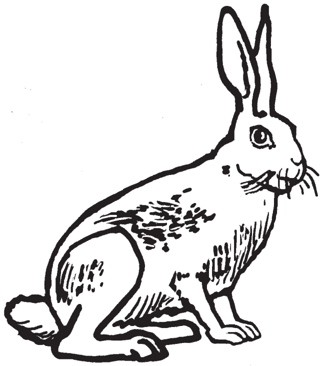

खरगोस
ख

मक्का
क्क

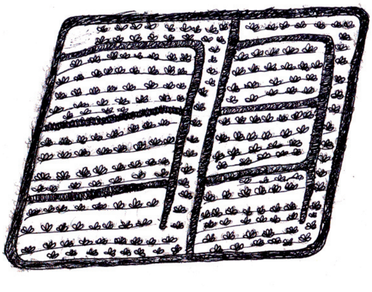

क्यारी
क्य

ख खरगोस	क्क मक्का	क्य क्यारी
खरगोस ख	मक्का क्क	क्यारी क्य

खमण, मक्कार, पुक्ता, क्ले, क्याले

मक्कार मिनख पुक्ता कार कर देसी।
बजारऊं खमण अर बक्सो लियासी।

मांडो:-

ख	**क्क**	**क्य**
......	......	......
......	......	......
......	......	......

पाठ–2

ड	न्य	र्‍य

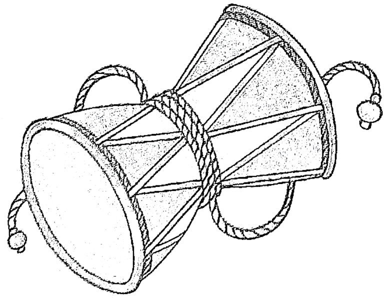

डमरू
ड

न्याव
न्य

र्‍याड़ो
र्‍य

ड डमरू	न्य न्याव	र्‍य र्‍याड़ो
डमरू ड	न्याव न्य	र्‍याड़ो र्‍य

डेकची, आर्‍यो, न्याऊ, डाळी

मां हात म दूद की डेकची लिया है।
मिनख सिर पै डाळी लेकी आर्‍यो है।

मांडोः-

ड	न्य	र्‍य
......	......	......
......	......	......
......	......	......

पाठ–3

पढेड़ा पाठा नै ओज़ूं पढणो

ख	क्क	क्य	ड	न्य	र्‌य

ख खा खि खी खु खू खे खै खो खं

ड डा डि डी डु डू डे डै डो डं

क्क क्य क्स क्ल क्त

न्य र्‌य

आ आंका कै लगमात लगा'र मांडोः-

आंक	ा	ि	ी	ु	ू	े	ै	ो	ं
ख									
ड									

आ आंका का आदा आंक मांडोः-

आंक	मांडो	
क		
न		
र		

खळ, डेरो, धक्को, सक्त, रिक्सो, चक्ले, न्यारो

खोळ खळ खाण लागरी है।

मै घरका सूं न्यारो होर्यो हूं।

भोपा डेरो लगा लियो।

मै रिक्सा म बजार गयो।

मेरो दादो सक्त बेमार है।

मातू बिकै बटवाऊं रिपिया चक्ले।

मेरै बाई डोळी सूं धक्को दे दियो।

मांडोः-

ख	क्क	क्य
......	......	......
......	......	......
क्ल	क्त	क्स
......	......	......
......	......	......
ड	न्य	र्‍य
......	......	......
......	......	......

पाठ–4

ड़	न्न	न्द

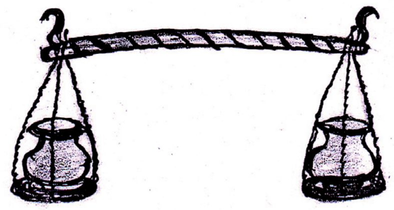

काॅवड़
ड़

पन्नी
न्न

कुन्दो
न्द

ड़ कावड़	न्न पन्नी	न्द कुन्दो
कावड़ ड़	पन्नी न्न	कुन्दो न्द

रगड़, मन्दर, सान्दो, न्याणो, मुन्नी

मै लुआगरजी ऊं कावड़ लेकी आयो।
मां गा कै न्याणो देण लागरी है।

मांडो:-

ड़   न्न   न्द

....

....

....

पाठ–5

छ	ब्ब	ब्ज

छतरी
छ

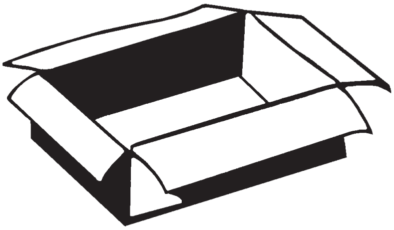

डब्बो
ब्ब

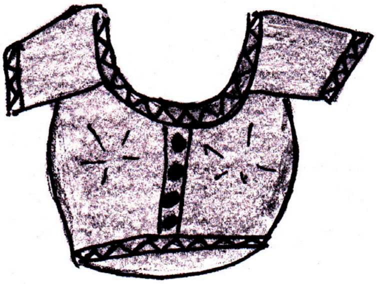

कब्जो
ब्ज

छ छतरी	ब्ब डब्बो	ब्ज कब्जो
छतरी छ	डब्बो ब्ब	कब्जो ब्ज

छाय, नब्बै, ब्याह

बाई बिलोवणा म छाय बिलोरी है।

महेस डब्बा नै परन गेर दे।

मांडो:-

छ ब्ब ब्ज

....

....

....

पाठ–6

पढेड़ा पाठा नै ओजूं पढणो

ड़	न्न	न्द	छ	ब्ब	ब्ज

ड़ ड़ा ड़ि ड़ी ड़ु ड़ू ड़े ड़ै ड़ो ड़ं

छ छा छि छी छु छू छे छै छो छं

ब्ब ब्ज ब्य

न्न न्द न्य

आ आंका कै लगमात लगा'र मांडोः-

आंक	◌ा	◌ि	◌ी	◌ु	◌ू	◌े	◌ै	◌ो	◌ं
ड़									
छ									

आ आंका का आदा आंक मांडो:-

आंक	मांडो	
ब		
न		

छांग, पकड़, मुन्नो, मन्दो, बब्बर, सब्जी, ब्याण

छोरा कीकर छांग ले।

गांमगा चोर नै पकड़ लियो।

मुन्नो पोथी का पाना फाड़ दिया।

मेरो मन्दो कार चालर्यो है।

गांमै बब्बर नार आर्‌यो है।

मै नब्बै रिपिया की सब्जी ली है।

सतपाल की छोरी ब्याण है।

मांडो:-

ड़	**न्न**	**न्द**
......	......	......
......	......	......
छ	**ब्ब**	**ब्ज**
......	......	......
......	......	......

पाठ–7

ध	छ्य	म्ब

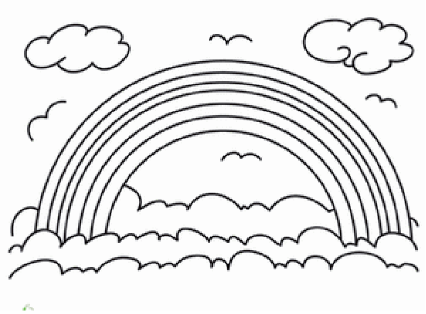

धणक
ध

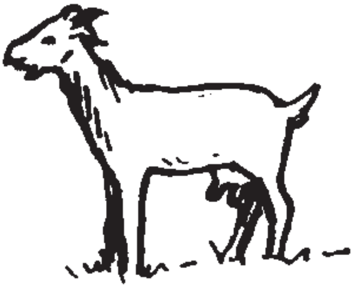

छ्याळी
छ्य

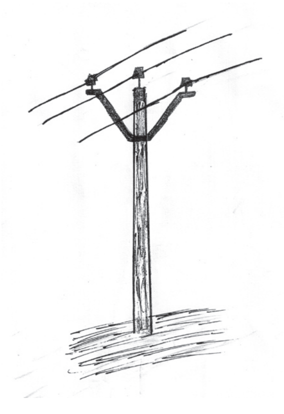

खम्बो
म्ब

ध धणक	छ्य छ्याळी	म्ब खम्बो
धणक ध	छ्याळी छ्य	खम्बो म्ब

मुक्को, बिछ्या, लाम्बो, म्हारो

अकास म धणक मंडर्यो है।

कीकर कै बिछ्या लागर्या है।

मांडोः-

ध	छ्य	म्ब
......	......	......
......	......	......
......	......	......

पाठ–8

थ	त्त	त्य

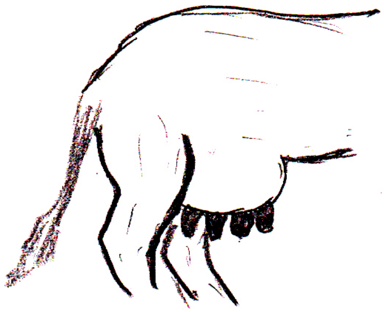

थण
थ

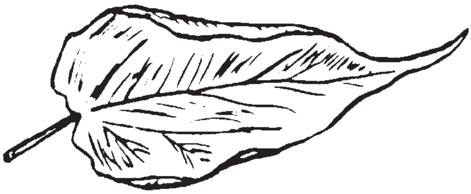

पत्तो
त्त

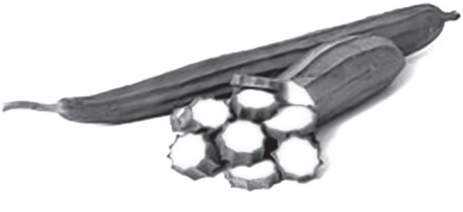

त्योरूं
त्य

थ थण	त्त पत्तो	त्य त्योरूं
थण थ	पत्तो त्त	त्योरूं त्य

थाळी, गत्तो, त्योर

लुगाई थाळी बजाबा लागरी है।
दरखत कै पत्ता लागर्या है।

मांडो:-

थ त्त त्य

....

....

....

पाठ–9

पढेड़ा पाठा नै ओजूं पढणो

ध	छ्य	म्ब	थ	त्त	त्य

ध धा धि धी धु धू धे धै धो धं

थ था थि थी थु थू थे थै थो थं

छ्य म्ब म्ह

त्त त्य

आ आंका कै लगमात लगा'र मांडोः-

आंक	ा	ि	ी	ु	ू	े	ै	ो	ं
ध									
थ									

आ आंका का आदा आंक मांडोः-

आंक	मांडो	
छ		
म		
त		

धूपियो, थेपड़ी, त्यार, सत्ती, म्हेल, बम्बो, बिछ्यो

मां धूपियो करबा लागरी है।
भाण थेपड़ी थापण लागरी है।
छोरी सासरै क्ले त्यार होरी है।
महिपाल पान की सत्ती बगा दे।

बेटी डेकचो एकानी म्हेल दे।
कुवै पै पाणी को बम्बो चालर्यो है।
छोरी कै बिछ्यो डंक मार दियो।

मांडोः-

छ	**छ्य**	**म्ब**
……	……	……
……	……	……
थ	**त्त**	**त्य**
……	……	……
……	……	……

पाठ–10

भ	द्‌द	ट्‌ट

भगूनो
भ

गद्‌दो
द्‌द

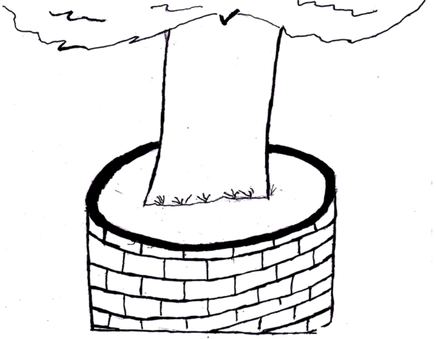

गट्‌टो
ट्‌ट

भ भगूनो	द्द गद्दो	ट्ट गट्टो
भगूनो भ	गद्दो द्द	गट्टो ट्ट

भतीजो, गद्दी, भायलो, कट्टो, पाट्यो

भतीजो भालो बगार्यो है।

राजा क्ले गद्दी लगा दे।

मांडो:-

भ	**द्द**	**ट्ट**
……	……	……
……	……	……
……	……	……

पाठ–11

ठ	ज्ज	ज्य

ठटेरो
ठ

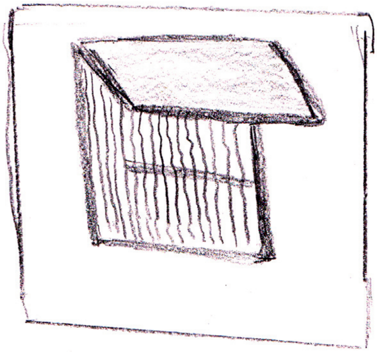

छाज्जो
ज्ज

मोज्या
ज्य

ठ ठटेरो	ज्ज छाज्जो	ज्य मोज्या
ठटेरो ठ	छाज्जो ज्ज	मोज्या ज्य

ठाटियो, भुज्जी, पंज्यो, ठोकर

मिनख ठेलो लेकी जार्यो है।

मां सांगरी की भुज्जी बणारी है।

मांडो:-

ठ	ज्ज	ज्य
......	......	......
......	......	......
......	......	......

पढेड़ा पाठा नै ओज़ूं पढणो

भ	द्द	ट्ट	ठ	ज्ज	ज्य

भ भा भि भी भु भू भे भै भो भं

ठ ठा ठि ठी ठु ठू ठे ठै ठो ठं

द्द द्य ट्ट

ट्य ज्ज ज्य

आ आंका कै लगमात लगा'र मांडोः-

आंक	ा	ि	ी	ु	ू	े	ै	ो	ं
भ									
ठ									

आ आंका का आदा आंक मांडोः-

आंक	मांडो	
द		
ट		
ज		

भीत, ठुमको, अद्‌दो, ज्यानवर, पाद्‌यो, काट्‌यो

म्हारी मेऊं भीत पड़गी।

खेत म ज्यानवर चरबा लागर्या है।

लुगायां ठुमको मारके नाचरी है।

मेरो छोरो कोनी पाद्‌यो।

ठेसण पै अद्दो आर्यो है।

मै साग क्ले कांदो काट्यो।

मांडोः-

भ	**द्द**	**ट्ट**
......	......	......
......	......	......
ठ	**ज्ज**	**ज्य**
......	......	......
......	......	......

पाठ–13

फ	स्स	स्म

फलको
फ

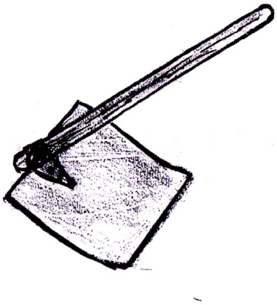

कस्सी
स्स

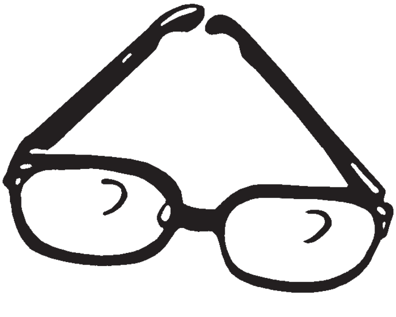

चस्मो
स्म

फ फलको	स्स कस्सी	स्म चस्मो
फलको फ	कस्सी स्स	चस्मो स्म

फूफो, किस्सो, फूदकली

फूफा पै फूदकली बेठी है।

मामो चस्मो लगा लियो।

मांडो:-

फ	स्स	स्म
......	......	......
......	......	......
......	......	......

पाठ–14

घ	**ग्ग**	**ग्य**

घड़ो
घ

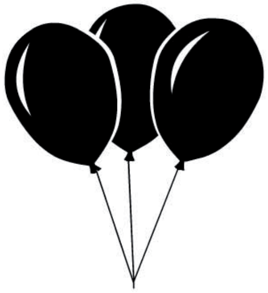

फुग्गा
ग्ग

33

ग्यारा
ग्य

घ घड़ो	ग्ग फुग्गा	ग्य ग्यारा
घड़ो घ	फुग्गा ग्ग	ग्यारा ग्य

घड़ी, बग्गी, घमको, ग्यारस

मोसी घड़ो पाणी को भर्यो है।

लुगायां ब्याह म घमका देबा लागरी है।

मांडो:-

घ **ग्ग** **ग्य**

....

....

....

पाठ–15

पढेड़ा पाठा नै ओज़ूं पढणो

फ	स्स	स्म	घ	ग्ग	ग्य

फ फा फि फी फु फू फे फै फो फं

घ घा घि घी घु घू घे घै घौ घं

स्स स्म स्त

ग्ग ग्य

आ आंका कै लगमात लगा'र मांडोः-

आंक	ा	ि	ी	ु	ू	े	ै	ो	ं
फ									
घ									

आ आंका का आदा आंक मांडो:-

आंक	मांडो	
स		
ग		

फीको, कस्सी, घोटो, टुग्गा, ग्याबण, खस्ता

आज मेरो मूं फीको होर्यो है।

बोकड़ नै कस्सी कर दियो।

हड़मान जी को घोटो भार्यो है।

छोरी सारै दिन टुग्गा खेलै है।

म्हारी खोळ ग्याबण होगी।

बापू की आसंग खस्ता होरी है।

मांडो:-

फ	**स्स**	**स्म**
……	……	……
……	……	……
घ	**गग**	**ग्य**
……	……	……
……	……	……

पाठ–16

झ	प्प	प्य

झर
झ

चप्पल
प्प

प्यालो
प्य

झ झर	प्प चप्पल	प्य प्यालो
झर झ	चप्पल प्प	प्यालो प्य

झेरनो, पप्पी, प्यारो, झरियो

मां झेरना सूं छाय बिलोरी है।
बेटा चप्पल कनसूं प्यालो ठाले।

मांडो:-

झ प्प प्य

…… …… ……

…… …… ……

…… …… ……

पाठ–17

ढ	च्च	च्छ

ढक
ढ

जच्चा
च्च

कच्छो
च्छ

ढ ढक	च्च जच्चा	च्छ कच्छो
ढक ढ	जच्चा च्च	कच्छो च्छ

ढबरो, बच्चादानी, कच्छी, ढाल, च्यार

डेकची कै ढक लागर्यो है।

छोरो कच्छो पेर्या है।

मांडोः-

ढ	च्च	च्छ
......	......	......
......	......	......
......	......	......

पाठ–18

ल्ल	ल्ड

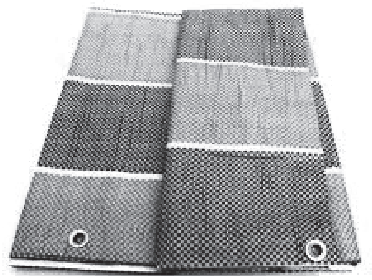

पल्ली
ल्ल

लल्डी
ल्ड

ल्ल पल्ली	ल्ड लल्डी
पल्ली ल्ल	लल्डी ल्ड

टल्ली, कल्डी, दल्डो, ल्यायो

प्यारेलाल दारू म टल्ली होर्यो है।
जोड़ै म दल्डो बोळो उंडो है।

मांडो:-

ल्ल **ल्ड**

....

....

....

पाठ–19

पढेड़ा पाठा नै ओज़ूं पढणो

झ	प्प	प्य	ढ	च्च	च्छ	ल्ल	ल्ड

झ झा झि झी झु झू झे झै झो झं

ढ ढा ढि ढी ढु ढू ढे ढै ढो ढं

प्प प्य च्च

ल्ल ल्ड ल्य

आ आंका कै लगमात लगा'र मांडोः-

आंक	ा	ि	ी	ु	ू	े	ै	ो	ं
झ									
ढ									

आ आंका का आदा आंक मांडोः-

आंक	मांडो	
प		
च		
ल		

झैर, कुप्पी, प्याजो, ढळाण, बच्ची, मच्छी, पल्लो, मुल्डक, ल्यारी, बेच्यो

मोती को छोरो झैर खाग्यो।

टाबर की कच्छी फाटगी।

लुगाई कुप्पी सूं मैंदी लगारी है।

लुगाई को पल्लो लटकै है।

छोरी प्याजो घास पाड़री है।

पग म मुल्डक पड़गी।

गाडी ढळाण म लुढकरी है।

मै ल्यारी म गांम गयो।

बच्ची छ्याळी को दूद चुंगै है।

रामेसर दो कूकड़ा नै बेच्या।

मांडोः-

झ	**प्प**	**प्य**
......	......	......
ढ	**च्च**	**च्छ**
......	......	......
ल्ल	**ल्ड**	
......	......	

पाठ–20

ख खा खि खी खु खू खे खै खो खं

ड डा डि डी डु डू डे डै डो डं

छ छा छि छी छु छू छे छै छो छं

ड़ ड़ा ड़ि ड़ी ड़ु ड़ू ड़े ड़ै ड़ो ड़ं

ध धा धि धी धु धू धे धै धो धं

थ था थि थी थु थू थे थै थो थं

भ भा भि भी भु भू भे भै भो भं

ठ ठा ठि ठी ठु ठू ठे ठै ठो ठं

फ फा फि फी फु फू फे फै फो फं

घ घा घि घी घु घू घे घै घो घं

झ झा झि झी झु झू झे झै झो झं

ढ ढा ढि ढी ढु ढू ढे ढै ढो ढं

आ आंका कै लगमात लगा'र मांडो:-

आंक	◌ा	◌ि	◌ी	◌ु	◌ू	◌े	◌ै	◌ो	◌ं
ख									
ड									
छ									
ड़									
ध									
थ									
भ									
ठ									
फ									
घ									
झ									
ढ									

आ आंका का आदा आंक मांडो:-

पूरा ब्यंजन	आदा ब्यंजन	मांडो	
क	क्		
न	न्		
र	र्		
ब	ब्		
छ	छ्		
म	म्		
त	त्		
द	द्		
ट	ट्		
ज	ज्		
स	स्		
ग	ग्		

प	ए		
च	च		
ल	ल		

खोळो, डांडो, कड़तू, छकियारी, धाणी, थेलो, भंडारो, ठेकरी, फलाणो, घड़ोई, झाड़ो, ढोल

सोड को खोळो सूगलो होर्यो है।

होळी को डांडो गाड दियो।

मनीस की कड़तू बांकी होगी।

छकियारी खेत म रोटी लेज्या है।

बापू जोंवा की धाणी भूनर्यो है।

बेटा थेलो खूंटी पै टांग दे।

बालाजी को भंडारो लागर्यो है।

चोराया कै मांय ठेकरी पड़ी है।

फलाणा कै घरां पावणा आया है।

बिरखा कै पाणीऊं घड़ोई भरगी।

बाबा कनसूं झाड़ो दिवाल्या।

ब्याह म घणा ढोल बाज्या।

चक्को, मोट्यार, देद्यो, क्यूं, अचम्बो, स्याळो, स्याणो, खार्यो, पजग्यो, म्हारो, पत्ती, बत्ती, ग्यानी, तसल्ली, ठुल्या, कट्टो

छोरी सायकल को चक्को घुमारी है।

धापली को मोट्यार चोखो है।

टाबरा नै आम देद्यो।

मै ओ कार क्यूं करूं?

राज कै कार नै देखकी अचम्बो होयो।

आज सूं स्याळो पड़ै लाग्यो।

छोरी दीवै क्ले बत्ती बांटरी है।

मोसो खीर खार्यो है।

मोती गांमगो ग्यानी मिनख है।

मनै तेरै कार सूं तसल्ली होई।

म्हारो छोरो गांम गयेड़ो है।

चोराया पै ठुल्या खड़्या है।

मामी की पत्ती सूं आंगळी कटगी।

मेरसूं चून को कट्टो फाटग्यो।

मांडोः

खेल्यो	फाल	ल्यारी	झुग्गी
•••••••	•••••••	•••••••	•••••••
मंगतो	खरलो	मुक्को	छाजलो
•••••••	•••••••	•••••••	•••••••
पल्टो	ढाणी	चरखो	भूणियो
•••••••	•••••••	•••••••	•••••••
कान्दो	सस्तो	अंय्या	धाणी
•••••••	•••••••	•••••••	•••••••

खिनाणो	जंय्या	परात	खुंखार
....	....	....	....
बावळो	छातो	मन्दर	आंगळी
....	....	....	....
भंडारो	ठेकरी	फलाणो	साग
....	....	....	....
घड़ोई	झाड़ो	ढोल	पजग्यो
....	....	....	....